वीर सावरकर जयंती

स्रोत: पीआईबी

चर्चा में क्यों?

28 मई को प्रधानमंत्री ने **विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर)** को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

विनायक दामोदर सावरकर कौन थे और उनका प्रमुख योगदान क्या था?

- **प्रारंभिक जीवन:**
    - **28 मई, 1883 को नासिक, महाराष्ट्र में** जन्मे वीडी सावरकर (जिन्हें **स्वातंत्र्यवीर सावरकर के नाम से भी जाना जाता है**) एक **स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ, वकील, लेखक** और **समाज सुधारक थे।**
- **संबंधित संगठन और कार्य:**
    - **वर्ष 1899 में मित्र मेला** की स्थापना की गई, बाद में वर्ष 1904 में इसका नाम बदलकर **अभिनव भारत सोसाइटी** कर दिया गया।
    - विदेश में **भारतीय छात्रों के बीच क्रांतिकारी राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 1906** में लंदन में **फ्री इंडिया सोसाइटी** की स्थापना की। क्रांतिकारी गतिविधियों के केंद्र लंदन में **इंडिया हाउस (श्यामजी कृष्ण वर्मा** द्वारा स्थापित) में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई ।
    - **गुरिल्ला युद्ध की** वकालत की , कथित तौर पर **हस्तनिर्मित बम** बनाने में शामिल थे और **मदन लाल ढींगरा** को कानूनी सहायता प्रदान की ।
    - उन्होंने प्रभावशाली पुस्तक **"हिंदुत्व: हिंदू कौन है?" (1923) लिखी** और **"भारतीय स्वतंत्रता के प्रथम युद्ध का इतिहास"** भी लिखा।
        - सावरकर कभी-कभी अपने कुछ लेखों में **"मराठा"** उपनाम का प्रयोग करते थे ।
- **सजा:**
    - उन्हें वर्ष **1909 में मॉर्ले-मिंटो सुधार (भारतीय परिषद अधिनियम, 1909)** के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, बाद में प्रत्यर्पित **कर आजीवन कारावास की सजा सुनाई** गई तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह **(जिसे काला पानी के** रूप में भी जाना जाता है) में सेलुलर जेल भेज दिया गया।
        - बाद में उन्हें वर्ष 1937 तक **रत्नागिरि में नज़रबंद** रखा गया।
    - **मार्सिले** के रास्ते ले जाए जाने के दौरान उन्होंने **भागने का प्रयास किया,** लेकिन **ब्रिटिश अधिकारियों** ने उन्हें पुनः पकड़ लिया।
- **राजनीतिक कॅरियर और विचारधारा:**
    - अपनी रिहाई के बाद, सावरकर ने **हिंदू महासभा के अध्यक्ष (1937-1943)** के रूप में कार्य किया तथा भारत छोड़ो आंदोलन (1942) का विरोध किया, क्योंकि उन्होंने इसे अव्यावहारिक माना।
    - उन्होंने राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हुए क्रिप्स मिशन और वेवेल योजना पर चर्चा की।
    - **तिलक, लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल** से प्रभावित होकर, सावरकर ने **सभी के लिये समान अधिकारों वाले एक एकीकृत राष्ट्र**

की कल्पना की थी, जो भारत के प्रतिनिष्ठा पर आधारित था।
    - **नागरिक स्वतंत्रता और सामाजिक सुधार के** एक मजबूत समर्थक के रूप में, उन्होंने **जातिवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी, अंतर्जातीय विवाह, दलितों के मंदिर प्रवेश** (जैसे, **पतित-पावन मंदिर**), **समुद्र पार करने** और **हिंदू धर्म में पुनः धर्मांतरण को बढ़ावा दिया।**
- **मृत्यु:**
    - वर्ष 1964 में, भारत की स्वतंत्रता के बाद अपने मिशन को पूर्ण मानते हुए, वीर सावरकर ने 1 फरवरी को आमरण अनशन शुरू किया और **26 फरवरी 1966** को उनका निधन हो गया।
    - उनके योगदान को मान्यता देते हुए, **वर्ष 2002** में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में **पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे का नाम बदलकर वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा** कर दिया गया।

और पढ़ें: [वीर सावरकर जयंती](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/veer-savarkar-jayanti-1